Edu Junior
Where Passion Meets Educations

LEARN KWNIY
Where passion meets with educations

हिंदी व्याकरण

learnkwniy

अध्याय

लिंग

लिंग

संज्ञा शब्द के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि वह पुरुष जाति का है या स्त्री जाति का, उसे लिंग कहते हैं।

दूसरे शब्दों में

'लिंग' का शाब्दिक अर्थ प्रतीक या चिहून अथवा निशान होता है। संज्ञाओं के जिस रूप से उसकी पुरुष जाति या स्त्री जाति का पता चलता है, उसे ही 'लिंग' कहा जाता है।

उदहारण के लिए :

पुरुष जाति में = बैल , बकरा , मोर , मोहन , लड़का , हाथी , शेर , घोडा , दरवाजा , पंखा , कुत्ता , भवन , पिता , भाई आदि।

स्त्री जाति में = गाय , बकरी , मोरनी , मोहिनी , लडकी , हथनी , शेरनी , घोड़ी , खिड़की , कुतिया , माता , बहन आदि।

learnkwniy

हिंदी भाषा में लिंग के तीन भेद होते हैं

1. पुल्लिंग
2. स्त्रीलिंग
3. नपुंसकलिंग

पुल्लिंग

जिन संज्ञा के शब्दों से पुरुष जाति का पता चलता है उसे पुल्लिंग कहते हैं।

दूसरे शब्दों में

जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, वे पुल्लिंग कहलाते हैं

उदहारण के लिए

पिता , राजा , घोडा , कुत्ता , बन्दर , हंस , बकरा , लडकी , आदमी, सेठ , मकान , लोहा , चश्मा आदि

learnkwniy

पुल्लिंग अपवाद :-

पक्षी , फरवरी , एवरेस्ट , मोतिया , दिल्ली , स्त्रीत्व आदि।

पुल्लिंग की पहचान :-

1. जिन शब्दों के पीछे अ , त्व , आ , आव , पा , पन , न आदि प्रत्यय आये वे पुल्लिंग होते हैं।

जैसे :- मन , तन , वन , शेर , राम , कृष्ण , सतीत्व , देवत्व , मोटापा , चढ़ाव , बुढ़ापा , लडकपन , बचपन , लेन -देन आदि।

2. कुछ समुदायवाचक संज्ञाएँ पुल्लिंग होती हैं तो कुछ स्त्रीलिंग |

जैसे परिवार, दल, समाज, झुंड, जत्था, वर्ग, लोग, गुलदस्ता, समूह, संघ, कुटुंब आदि।

3. पर्वत, सागर, देश, पेड़, महीने, धातु, तारे-ग्रह (नक्षत्र), रत्न, शरीर के अंग आदि नाम प्रायः पुल्लिंग में होते हैं।

पर्वतों के नाम - हिमालय, विंध्याचल, आल्प्स , एंडिज आदि।

सागरों के नाम - प्रशांत महासागर, हिंद महासागर, अरब सागर आदि।

4. देशों के नाम - भारत , चीन , ईरान , यूरान , रूस , जापान , अमेरिका , पाकिस्तान , उत्तर प्रदेश , हिमाचल , मध्य प्रदेश आदि।

5. पेड़ों के नाम - केला , पपीता , शीशम , सागौन , जामुन , बरगद , पीपल , नीम , आम , अमरुद , देवदार , अनार , अशोक , पलाश आदि।

6. महीनों के नाम - फरवरी , मार्च , चैत , आषाढ़ , फागुन आदि।

7. धातुओं के नाम - पीतल, ताँबा, कांस्य, लोहा, सोना आदि।

8. नक्षत्रों के नाम - बुध, शुक्र, मंगल, चंद्र, सूर्य, पृथ्वी आदि।

9. रत्नों के नाम - हीरा, पन्ना, मूंगा, पुखराज आदि।

learnkwniy

10. शरीर के अंग - मुँह, हाथ, कान, गला, पैर, पेट, अँगूठा, बाल आदि।

11. दिनों के नाम - सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार आदि।

प्राणीवाचक शब्द हमेशा पुरुष जाति का ही बोध करते हैं।

जैसे :- बालक , गीदड़ , कौआ , कवि , साधु , खटमल , भेडिया , खरगोश , चीता , मच्छर , पक्षी आदि।

स्त्रीलिंग

जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते है, वे स्त्रीलिंग है

दूसरे शब्दों में

जिन संज्ञा शब्दों से स्त्री जाति का पता चलता है उसे स्त्रीलिंग कहते हैं ।

उदहारण के लिए

हंसिनी , लडकी , बकरी , माता , रानी , जूं , सुईं , गर्दन , लज्जा , बनावट , घोड़ी , कुतिया , बंदरिया , कुर्सी , पत्ती , नदी , शाखा , मुर्गी , गाय , बहन , यमुना , बुआ , लक्ष्मी , गंगा , लडकी , औरत , शेरनी , नारी , झोंपड़ी , लोमड़ी आदि ।

learnkwniy

स्त्रीलिंग की पहचान :-

1. जिन संज्ञा शब्दों के पीछे ख , ट , वट , हट , आनी आदि आयें वे सभी स्त्रीलिंग होते हैं ।

जैसे :- कडवाहट , आहट , बनावट , शत्रुता , मूर्खता , मिठाई , छाया , प्यास , ईख , भूख , चोख , राख , कोख , लाख , देखरेख , झंझट , आहट , चिकनाहट , सजावट , इन्द्राणी , जेठानी , ठकुरानी , राजस्थानी आदि ।

2. भाषा , बोलियों तथा लिपियों के नाम स्त्रीलिंग होती हैं :-

जैसे :- हिंदी , संस्कृत , देवनागरी , पहाड़ी , अंग्रेजी , पंजाबी गुरुमुखी , फ्रांसीसी , अरबी , फारसी, ज़र्मन , बंगाली , रुसी आदि ।

3. नदियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं :-

गंगा, सरस्वती, यमुना, कावेरी आदि।

4. तरीखो और तिथियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं

पूर्णिमा, एकादशी, अमावस्या आदि।

5. नक्षत्रो के नाम स्त्रीलिंग होते हैं ।

जैसे :- अश्विनी , भरणी , रोहिणी , रेवती , मृगशिरा , चित्रा आदि ।

6. समूहवाचक संज्ञा स्त्रीलिंग होते हैं ।

जैसे :- भीड़ , कमेटी , सेना , सभा , कक्षा आदि ।

7. इसके अतिरिक्त जिन शब्दों के अंत में आई, ता, नी, आवट, आहट, ई, री, आस, इया, इमा आदि प्रत्यय जुड़े होते हैं, वे भी स्त्रीलिंग में होते है; जैसे

learnkwniv

आई - लड़ाई, धुलाई, कड़ाई, आदि।

ता - निकटता, सुंदरता, मधुरता आदि।

नी - जापानी, चटनी, छलनी, आदि।

आवट - बनावट, सजावट, लिखावट,आदि।

आहट - घबराहट, सरसराहट, मुसकराहट आदि।

ई - खिड़की, लकड़ी, गरमी, आदि।

री - बकरी, परी आदि।

आस - भड़ास, प्यास आदि।

इया - चिड़िया, गुड़िया, पुड़िया, आदि।

इमा - लालिमा, गरिमा, आदि।

पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनाने के नियम

अ , आ पुल्लिंग शब्दों को जब ' ई ' कर दिया जाता है तो वे स्त्रीलिंग हो जाते हैं ।

गूँगा = गूँगी

गधा = गधी

देव = देवी

नर = नारी

learnkwniy

2. जब अ , आ , वा आदि पुल्लिंग शब्दों को स्त्रीलिंग में बदला जाता है तो अ, आ, तथा वा की जगह पर ' इया ' लगा दिया जाता हैं ।

बेटा = बिटिया

चिड़ा = चिड़िया

लोटा = लुटिया

3. जब अक जैसे तत्सम शब्दों में ' इका ' जोडकर भी स्त्रीलिंग बनाए जाते हैं ।

अध्यापक + इका = अध्यापिका

पत्र + इका = पत्रिका

चालक + इका = चालिका

सेवक + इका = सेविका

4. कुछ शब्द स्वतंत्र रूप से स्त्री -पुरुष के स्वंय में ही जोड़े होते हैं । कुछ पुल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग बिलकुल उल्टे होते हैं ।

मर्द औरत

वर वधू

राजा रानी

कवि कवयित्री

पिता माता

5. कुछ शब्दों का स्त्रीलिंग न हो पाने की वजह से उनमें ' आनी ' प्रत्यय लगाकर स्त्रीलिंग बनाया जाता है ।

।

learnkwniy

ठाकुर + आनी = ठकुरानी

सेठ + आनी = सेठानी

चौधरी + आनी = चौधरानी

देवर +आनी = देवरानी

6. कभी कभी पुल्लिंग के कुछ शब्दों में ' इन ' जोडकर स्त्रीलिंग बनाया जाता है ।

माली मालिन

पापी पापिन

बाद्य बाघिन